

कहवत स्त्री. (देश.) 1. कहावत 2. कही हुई बात, कथन 3. कथा-कहानी उदा. राधिका की कहवत कह दीजो मोहन सों -पद्माकर (जगद. 486)।

कहवा पुं. (अर.) 1. एक वृक्ष जिसके सफेद फूलों से निकले दानों या बीजों से एक पेय बनता है 2. कहवा वृक्ष के दानों या बीजों से तैयार किया गया पेय पदार्थ 3. कहवा के बीज या दाने coffee

कहवाखाना पुं. (अर.+फा.) 1. वह स्थान जहाँ पेय के रूप में कहवा बेचा जाता है (अर.) कॉफी हाउस, केक, कहवाघर।

कहवैया वि. (देश.) 1. कहने वाला उदा. कहानी का कहवैया बड़ा गुणी है 2. जो किसी से कुछ कहे पुं. (तद्.) कहने वाला व्यक्ति।

कहाँ अव्य.क्रि.वि. (तद्.) 1. स्थान विषयक प्रश्न या जिज्ञासा के प्रसंग में प्रयुक्त एक प्रश्नवाचक प्रमुख अव्यय 2. किस जगह जैसे- अब आप कहाँ चले, मैं तो अभी आया हूँ 2. किसी, अवधि, सीमा या स्थिति के विषय में प्रयुक्त प्रश्न वाचक अव्यय उदा. (क) बताइए वह कहाँ तक पहुँचा है (ख) उनकी कहाँ तक प्रतीक्षा की जाए 4. उपेक्षा, तिरस्कार के प्रसंगों में प्रयुक्त अज्ञात एवं अनिश्चित स्थानवाचक अव्यय उदा. आपने यह कहाँ से मुसीबत मोल ले ली, आप तो न जाने कहाँ-कहाँ भटकते रहते हैं पद. 1. कहाँ-कहाँ- पारस्परिक अंतर या भेद का सूचक उदा. "कहाँ मुरारीलाल है, कहाँ बिहारीलाल, कहाँ (क) किसी नगण्य या उपेक्षित स्थान का, आपने कहाँ का झगड़ा मोल ले लिया? (ख) काकु से-कहीं का नहीं उदा. वह कहाँ का विद्वान है जो आपको फट्टा रहा है, कहाँ का कहाँ- प्रसंग से बहुत दूर, कहाँ की बात-पूर्णतः अन्होनी बात, कहाँ तक, किस अवधि, सीमा या परिणाम तक उदा. कहाँ तक कहा जाय, इतने में ही समझ लीजिए कि वह निरा मूर्ख है पुं. (अर.) छोटे से शिशु का रोने का शब्द।

कहा पुं. (देश.) 1. कथन, कही हुई बात 2. आदेश जैसे बड़ो का मानना अच्छी बात है 3. उपदेश, सलाह स.क्रि. (तद्.) 'कहना' क्रिया का

भूतकालिक रूप कथित, कथन किया सर्व. (ब्रज) क्या; वि (ब्रज) क्या उदा. "हमको कियौ है कहा, कहन सबै लगी" -उद्धवशतक(26 रत्नाकर) स्त्री. (तद्.) 'कथा' क्रिया. वि. किस प्रकार का, कैसा।

कहा-कही वि. (देश.) 1. कहा-सुनी 2. परस्पर किसी कारण से हुई बातचीत।

कहानी स्त्री. (तद्.) कथानिका, बड़ी कथा 2. लिखित या मौखिक, कल्पित या वास्तविक और गद्य या पद्य में वर्णित घटना जो शिक्षापद मनोरंजक तथा ज्ञानप्रद होती है 3. मनगढ़ंत बात मुहा. कहानी गढ़ना- मनगढ़ंत या झूठी बात बनाना; कहानी जोड़ना-जरूरत से ज्यादा निरर्थक बात जोड़ना; जग में कहानी रह जाना-मौत के बाद केवल चर्चा शेष रह जाना पद. रामकहानी-लंबी चौड़ी दास्तान।

कहानीकार पुं. (तद्.) 1. कहानी लिखने वाला 2. कहानी का लेखक।

कहानो पुं. (तद्.) 1. बड़ी कथा 2. वृत्तांत 3. कहानी 4. कथन-वर्णन उदा. सीख कीन्यो जस और प्रताप कौ कहानो है -ठाकुर (7)।

कहान्यो/कहान्यौ पुं. (देश.) वृत्तांत, कहानी उदा. यह अकथ कहान्यौ -ठाकुर (218)।

कहार पुं. (तद्.) पानी भरने और पालकी ढोने का कार्य करने वाली एक उपजाति स्त्री. कहारिन।

कहाल पुं. (देश.) एक प्रकार का बाजा, एक वाद्य यंत्र।

कहावत स्त्री. (तद्.) कथावृत्त, कोई लोक प्रचलित कथन, लोगों द्वारा बातचीत में उद्धृत किए जाने वाला संक्षिप्त अनुभवपूर्ण, ज्ञानप्रद, अलंकृत तथा चमत्कार पूर्ण भाषा वाला वाक्य (उक्ति) लोकोक्ति जैसे- (i) थोथा चना बाजै घना (ii) चिराग तले अंधेरा 4. सारगर्भितता-संक्षिप्तता प्राण-वानता विषयक गुणों के साथ लोक कथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और मान्य व्यक्ति या विद्वान का कथन होता है।

कहा-सुना पुं. (देश.) 1. जिसे कहा तथा सुना गया हो 2. अनजाने में हुआ कथन तथा प्रत्युत्तर 3. बोलने तथा व्यवहार में भूल-चूक।